

प्रेषक,

आलोक कुमार जैन,
सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवामें,

समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,
उत्तरांचल शासन ।
समस्त जिलाधिकारी/ कार्यालयाध्यक्ष
उत्तरांचल ।

कार्गिक अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 29 मार्च, 2003

विषय: राज्याधीन सेवाओं में आरक्षण हेतु जाति प्रमाण-पत्र ।

महोदय,

राज्याधीन लोक सेवाओं में सीधी भर्ती के प्रक्रम पर अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों व नागरिकों के अन्य पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने की व्यवस्था उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1994 (यथा अनुकूलित एवं संशोधित) में की गयी है । अन्य पिछड़े वर्ग का विवरण उपरोक्त अधिनियम की अनुसूची-एक में अंकित है, परन्तु अनुसूची-एक में समाविष्ट वर्ग का सदस्य होने हेतु भी ऐसे व्यक्तियों को आरक्षण अनुमत्त नहीं है जो उपर्युक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के परन्तुक के साथ मिला अनुसूची-दो से आच्छादित होते हैं ।

2- उपर्युक्त आरक्षण अधिनियम के तहत आरक्षण-सुविधा प्राप्त करने के लिए "जाति प्रमाण-पत्र" प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है । अधिनियम की धारा 9 में यह प्रावधानित है कि ऐसा जाति प्रमाण-पत्र ऐसे प्राधिकारी या अधिकारी द्वारा तथा ऐसी रीति तथा प्रारूप में जारी किया जायेगा, जैसा राज्य सरकार आदेश द्वारा उपबन्ध करे ।

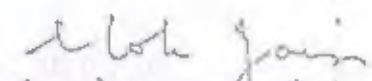
3- उपर्युक्त धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि भविष्य में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए जाति प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी/अतिरिक्त जिलाधिकारी, सिटी मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी/तहसीलदार, जिसके क्षेत्र में सम्बन्धित अभ्यर्थी निवास करता हो अथवा वहाँ उसका जन्म हुआ हो, द्वारा सभी वंछित औपचारिकतायें पूर्ण करा कर निर्धारित प्रपत्र में अपने हस्ताक्षर से जारी किया जायेगा । अनाधिकृत रूप से जारी किये गये प्रमाण पत्रों पर आरक्षण की कोई सुविधा न दी जाय । शासन द्वारा अनुसूचित

जाति तथा अनुसूचित जन-जाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के लिए जाति प्रमाण-पत्र के प्रारूप निर्धारित किये गये हैं, जो संलग्न हैं ।

4- अनुरोध है कि निर्धारित प्रारूप में सक्षम प्राधिकारी/अधिकारी द्वारा ऐसे प्रमाण-पत्र जारी किये जायें व इस प्रकार जारी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये जाने पर उपर्युक्त अधिनियम के तहत आरक्षण के सम्वन्ध में नियमानुसार चयन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये ।

5- आपसे अनुरोध है कि कृपया उपरोक्त निर्णय से सभी सम्बन्धित/सक्षम अधिकारियों, जो आपके अधीनस्थ हों, को अवगत कराने का कष्ट करें तथा विशेष रूप से अपने जनपद के प्रत्येक अपर जिलाधिकारी / सिटी मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी /तहसीलदार को सरकार के इस निर्णय से अवगत करा दिया जाये ताकि उचित नीति के अनुसार सम्बन्धित व्यक्तियों को जाति प्रमाण-पत्र प्राप्त करने में तथा अनुमन्य आरक्षण की व्यवस्था को लागू किये जाने में कोई असुविधा न हो ।

भवदीय,

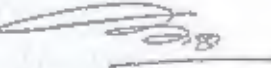

(आलोक कुमार जैन)
अपर सचिव ।

संख्या: 154-0 (1)/कार्मिक-2/तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तरांचल ।
- 2- सचिव, विधान सभा, उत्तरांचल ।
- 3- सचिव, मण्डलायुक्त, उत्तरांचल ।
- 4- सगस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल ।
- 5- सचिवालय के सगस्त अनुभाग ।

आज्ञा से,


(आरो सी० लोढ़नी)
उप सचिव ।

उत्तरांचल की अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन-जाति के
लिए
जाति प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री / श्रीमती / कुमारी.....
सुपुत्र / सुपुत्री श्री.....
नियारी ग्राम.....तहसील.....नगर.....
जिला.....उत्तरांचल की.....
जाति के व्यक्ति हैं, जिसे संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 (जैसा कि समय-समय पर संशोधित हुआ) / संविधान (अनुसूचित जन जाति, उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967 के अनुसार जाति / अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गयी है ।
श्री / श्रीमती / कुमारी.....तथा
/ अथवा उसका परिवार उत्तरांचल के.....ग्राम.....
तहसील.....नगर.....
जिला.....में सागान्धतया रहता है ।

स्थान

दिनांक

मुहर

हस्ताक्षर.....

पूरा नाम.....

पदनाम.....

जिलाधिकारी / अतिरिक्त / जिला
ध-कारी / सिटी
मजिस्ट्रेट / परगना
मजिस्ट्रेट / तहसीलदार ।

उत्तरांचल के अन्य पिछड़े वर्ग के लिए जाति प्रमाण-पत्र का
प्रपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी.....
.....तहसील.....नगर.....जिला.....
उत्तरांचल की.....जाति के व्यक्ति हैं। यह जाति
उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अनुरूचित जातियों, अनुरूचित जन-जातियों
तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1994 की
अनुरूची-1 में अन्तर्गत गान्यता प्राप्त है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी.....
.....उक्त अधिनियम, 1994 की अनुरूची-2 से
अछादित नहीं हैं।

श्री/श्रीमती/कुमारी.....तथा/ अथवा
उनका परिवार उत्तरांचल ग्राम.....तहसील.....
नगर.....जिला.....में सामान्यतया रहता है।

स्थान

हस्ताक्षर.....

दिनांक

पूरा नाम.....

मुहर

पदनाम.....

जिलाधिकारी/अतिरिक्त/
जिलाधिकारी/सिटी
मजिस्ट्रेट/परगना
मजिस्ट्रेट/तहसीलदार।